काशी में बनेगा देश का पहला फ्रेट विलेज और लॉजिस्टिक्स पार्क, 34 हजार करोड़ खर्च होंगे

पीएम गुजरात से देंगे सौगात, भूमि अधिग्रहण का काम पूरा, केंद्र सरकार ने बजट मंजूर किया

नीलांबुज तिवारी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात के भावनगर से काशीवासियों को 34 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। देश के पहले फ्रेट विलेज का ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे। रामनगर के राल्हूपुर में फ्रेट विलेज बनाया जा रहा है। इससे गंगा में जल परिवहन को बढ़ावा मिलेगा।

फ्रेट विलेज के साथ ही लॉजिस्टिक्स पार्क और शिप रिपेयरिंग सेंटर भी बनाया जाना है। इस पर 34 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। रामनगर मल्टीमॉडल टर्मिनल के पास 100 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण वाराणसी के प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि केंद्र सरकार से बजट की मंजूरी मिल गई है। अब पीएम मोदी इसका शिलान्यास करेंगे।

मिल्कीपुर, ताहिरपुर और रसूलगंज में भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण हो चुका है। फ्रेट विलेज में वेयरहाउस, कार्गो स्टोरेज, पैकेजिंग-रैपिंग, कोल्ड स्टोरेज आदि सुविधाएं विकसित की जाएंगी। बंदरगाह से व्यावसायिक गतिविधियां तेज होंगी। हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा।

कर्मचारियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण, होगी माल की पैकेजिंग : फ्रेट विलेज में कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के अलावा माल की लोडिंग और अनलोडिंग की जाएगी। इसके लिए सभी कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। जल, सड़क और रेल मार्ग से आने वाले माल को वेयरहाउस में रखने के साथ-साथ बाजार में भेजने से पहले खुदरा बिक्री के लिए छोटे पैकेटों में पैकेजिंग भी की जाएगी।

रेल लाइन बिछाई जाएगी : बंदरगाह को रेल लाइन और एनएच-7 व एनएच-2 से जोड़ा जाएगा। रेलवे के माध्यम से सामान टर्मिनल तक पहुंचाने के लिए जिवनाथपुर जंक्शन से टर्मिनल तक 6 किमी लंबी रेल लाइन बिछाई जाएगी। 650 मीटर की दूरी पर स्थित एनएच-7 और एनएच-2 को भी सड़क मार्ग से जोड़ा जाएगा। इससे नई दिल्ली-हावड़ा रेल फ्रेट कॉरिडोर और फ्रेट विलेज का सीधा जुड़ाव हो सकेगा। संवाद